कोरोना वायरस से लड़ने के लिए वैक्सीन
– COVID-19 Vaccine AstraZeneca (AstraZeneca)

उन लोगों के लिए सूचना जिन्हें यह वैक्सीन लगाई जानी है

नोवेल कोरोना वायरस से श्वसन तंत्र में संक्रमण होता है. कई लोगों में इसके या तो हल्के लक्षण दिखाई देते हैं या किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई नहीं देते, लेकिन कुछ लोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं. बुज़ुर्ग और ऐसे लोग, जिन्हें पहले से ही कई तरह की अन्य बीमारियाँ हैं, उन लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने या उनकी मृत्यु होने का सबसे बड़ा खतरा होता है. कोरोना वायरस वैक्सीन का लक्ष्य जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है.

कोरोना वायरस की यह वैक्सीन किसे दी जानी चाहिए?

जिन लोगों को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के ज़रिए यह वैक्सीन लगाए जाने की सिफ़ारिश की जाती है, उन्हें प्राथमिकता कतार में उनकी बारी आने पर यह वैक्सीन लगाई जाएगी.

वैक्सीन पूरी तरह से मुफ़्त और स्वैच्छिक है. इसे नॉर्वे में रह रहे लोगों को लगाया जाएगा.

मुझे वैक्सीन कैसे मिलेगी?

वैक्सीन किसे लगाई जा रही है, वैक्सीनेशन किस तरह से किया जाएगा और कब होगा, इसकी जानकारी पाने के लिए अपनी नगरपालिका की वेबसाइट देखें.

यह वैक्सीन किस तरह से लगाई जाएगी?

यह वैक्सीन बाँह के ऊपरी हिस्से में लगाई जाएगी. आपको 9 से 12 हफ़्तों का अंतर रखते हुए वैक्सीन की दो खुराक लगाई जाएँगी. यह ज़रूरी है कि आप तय किए गए समय पर ही दूसरी खुराक लगवाएँ. वैक्सीन लगाए जाने से पहले, आपसे पूछा जाएगा कि क्या आप अच्छा महसूस कर रहे हैं और क्या आपको पहले ली गई किसी अन्य वैक्सीन की वजह से किसी तरह का रिएक्शन हुआ था. अगर आपको किसी तरह की एलर्जी है, आप गर्भवती हैं, आप कोई दवा ले रहे हैं या आपके स्वास्थ्य से जुड़ी कोई और समस्या है, तो उसकी जानकारी ज़रूर दें. गंभीर रूप से बीमार होने और 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक बुखार होने पर वैक्सीनेशन में देरी होना आम बात है. वैक्सीन लगाए जाने के बाद आपको 20 मिनट तक इंतज़ार करने के लिए कहा जाएगा.

यह वैक्सीन कैसे काम करती है?

वैक्सीन में ऐसे हानिरहित वायरस (कोल्ड वायरस) का इस्तेमाल किया जाता है, जो शरीर में कोरोना वायरस पर स्पाइक्स के लिए रेसिपी ट्रांसपोर्ट करने में मदद करता है. शरीर इन स्पाइक्स की ऐसी हानिरहित प्रतियाँ बनाता है, जिन पर प्रतिरक्षा प्रणाली काम कर सके. इस तरह से प्रतिरक्षा प्रणाली कोरोना वायरस स्पाइक्स को पहचानना सीखती है और अगर वायरस का संक्रमण होता है, तो वह इससे शरीर की रक्षा कर सकती है.

ट्रांसपोर्ट वायरस शरीर में अपनी संख्या बढ़ा नहीं पाता है और शीघ्र ही खंडित हो जाता है. वैक्सीन की वजह से कोरोना वायरस या कोई अन्य संक्रामक बीमारी नहीं हो सकती है. कोरोना वायरस वैक्सीन बीमारी से बचाने का काम करती है. यह किसी मौजूदा बीमारी को ठीक नहीं कर सकती है.

वैक्सीन बनाने के इस तरीके का ईबोला वैक्सीन में पहले से ही इस्तेमाल किया जाता है.

यह वैक्सीन कितनी अच्छी तरह से काम करती है?

वैक्सीन नए कोरोना वायरस की वजह से होने वाली बीमारी से बचाती है. वैक्सीन की दूसरी खुराक लगाए जाने के दो हफ़्ते बाद किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि वैक्सीनेशन किए गए लोगों में से औसतन

60 % लोगों को COVID-19 बीमारी से बचने का कवच मिल गया था. हालाँकि, अगर दो खुराकों के बीच 9 हफ़्ते या उससे अधिक का अंतराल रहा हो, तो यह सुरक्षा अधिक असरदार प्रतीत होती है. अध्ययनों से जानकारी मिलती है कि वैक्सीन ऐसी गंभीर COVID-19 बीमारी से भी सुरक्षा प्रदान करती है, जिसके लिए अस्पताल में उपचार कराना ज़रूरी होता है. फ़िलहाल हमें नहीं पता है कि यह सुरक्षा कवच कितने समय तक बना रहता है. अगर कुछ समय के बाद सुरक्षा कवच का असर कम होने लगता है, तो बूस्टर खुराक लगाने की ज़रूरत हो सकती है. चूँकि वैक्सीन बीमारी को रोकती है, इसलिए यह बीमारी के संक्रमण को भी रोक देगी, लेकिन फ़िलहाल हमें नहीं पता है कि यह किस हद तक कारगर साबित होगी. इसलिए, मौजूदा संक्रमण नियंत्रण सलाह का पालन करते रहना ज़रूरी है.

दुष्प्रभाव

किए गए अध्ययनों की मदद से हमें वैक्सीन लगवाने वाले लोगों के बीच सामान्य और अधिक हल्के दुष्प्रभावों के बारे में बेहतर जानकारी मिली है. हम वैक्सीनेशन के दुर्लभ दुष्प्रभाव सामने आने या वैक्सीनेशन के काफ़ी समय बाद दिखाई देने वाले दुष्प्रभावों की आशंका को खारिज़ नहीं कर सकते हैं. अधिकांश दुष्प्रभाव वैक्सीनेशन के शुरुआती कुछ दिनों में दिखाई दिए थे, जो कुछ ही दिनों के भीतर खत्म हो गए थे:

- वैक्सीन लगवाने वाले आधे से ज़्यादा लोगों ने इंजेक्शन लगाए जाने की जगह पर दर्द होने की शिकायत की है.
- अन्य आम दुष्प्रभावों में अस्वस्थ महसूस करना, थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, ठंड लगना, जी मिचलाना और बुखार आना शामिल है.
- दूसरी खुराक के बाद दुष्प्रभाव हल्के और कभी-कभार ही महसूस किए गए हैं.

अधिकांश मामलों में दुष्प्रभाव हल्के या मध्यम थे. 5% से भी कम लोगों ने अधिक परेशान करने वाले दुष्प्रभाव बताए, जो हानिरहित थे, लेकिन इसके चलते उनका दैनिक जीवन कुछ दिनों तक प्रभावित हुआ था.

अगर मुझे दुष्प्रभाव दिखाई दे, तो मैं क्या करूँ?

अगर आप किसी अनपेक्षित, गंभीर लक्षण या लंबे समय से किसी लक्षण से पीड़ित रहते हैं और आपको लगता है कि इसकी वजह वैक्सीन हो सकती है, तो उनका आकलन करने और सलाह पाने के लिए अपने डॉक्टर या अन्य स्वास्थ्यकर्मी से संपर्क करें. यह स्वास्थ्यकर्मियों का कर्तव्य है कि वैक्सीन की वजह से दुष्प्रभाव का संदेह होने पर वे किसी भी तरह के गंभीर या अनपेक्षित रिएक्शन की सूचना दें. आप खुद भी अपनी तरफ से helsenorge.no पर इसकी सूचना दे सकते हैं.

सशर्त स्वीकृति

इस कोरोना वायरस वैक्सीन को हज़ारों लोगों पर आज़माते हुए बड़े पैमाने पर अध्ययनों के ज़रिए परखा गया है. अन्य वैक्सीन की तरह ही इस पर भी अध्ययन किए गए हैं, लेकिन नतीज़ों के अवलोकन के लिए कम समय मिला है. दवा नियामक प्राधिकरणों ने इस वैक्सीन को सशर्त स्वीकृति दी है. इसका मतलब यह है कि यह आकलन करने के लिए पर्याप्त डेटा उपलब्ध है कि इस वैक्सीन के जोखिमों के मुकाबले इससे होने वाले लाभ कहीं ज़्यादा हैं, लेकिन वैक्सीन निर्माता को अध्ययन जारी रखना चाहिए और जब भी आँकड़े उपलब्ध हों, तब दवा नियामक प्राधिकरणों को लगातार उन्हें उपलब्ध कराते रहना चाहिए.

मुझे कौन-सी वैक्सीन लगाई जानी है?

जब आपको कोरोना वायरस वैक्सीन लगाई जाएगी, तो इसे Norwegian Immunisation Registry, SYSVAK पर पंजीकृत किया जाएगा. आप helsenorge.no पर अपनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

क्या आप और अधिक जानना चाहते हैं?

कृपया अपने डॉक्टर या अन्य स्वास्थ्यकर्मी से पूछें या Norwegian Institute of Public Health की वेबसाइट fhi.no/cvp पर जाएँ.